विद्याभवन बालिका विद्यापीठ लखीसराय

कक्षा – षष्ठ **दिनांक -18 - 02 - 2021**

विषय -हिन्दी **विषय शिक्षक -पंकज कुमार**

एन, सी, ई, आरटी, पर आधारित

सुप्रभात बच्चों आज क्रिया के बारे में पुनः अध्ययन करेंगे।

क्रिया की परिभाषा – जिन शब्दों से किसी कार्य के करने या होने का पता चलता है उन्हें क्रिया कहते हैं |

कबूतर दाना **चुग रहे हैं |**

बच्चे पटाखे **चला रहे हैं |**

बादलों में बिजली **चमक रही है |**

वर्षा **हो रही है |**

धातु

→

क्रिया के मूल रूप को धातु कहते हैं |

धातु		प्रत्यय	=	
आ	+	ना	=	आना
पढ़	+	ना	=	पढ़ना
चल	+	ना	=	चलना
कर	+	ना	=	करना
लिख	+	ना	=	लिखना

क्रिया के भेद

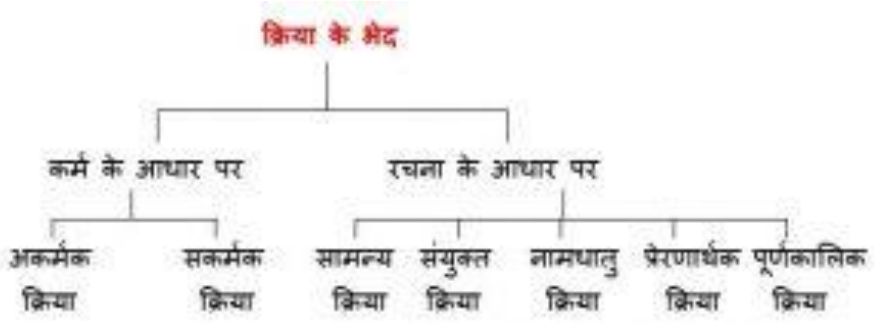

कर्म के आधार पर क्रिया के भेद

(1) अकर्मक क्रिया

(2) सकर्मक क्रिया

अकर्मक क्रिया

"अकर्मक" शब्द का अर्थ है→ "बिना कर्म के"

→ जिस क्रिया के कार्य का फल कर्ता पर पड़ता है, उसे अकर्मक क्रिया कहते हैं |

जैसे→

राधा **सो रही है |**

मोहन **हँसने लगा |**

बच्चे **जा रहे हैं |**